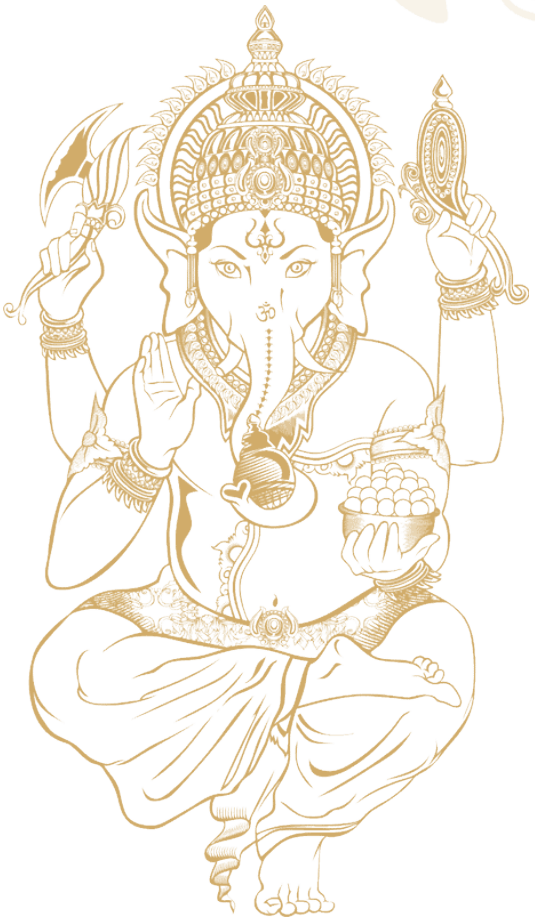

# Manish

# Priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121826103

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 26/07/1996 | जन्म तिथि | 18/07/2001 |
| शुक्रवार | दिन | बुधवार |
| घंटे 12:30:00 | जन्म समय | 17:05:00 घंटे |
| घटी 17:12:15 | जन्म समय(घटी) | 28:50:54 घटी |
| India | देश | India |
| Bulandshahr | स्थान | Bulandshahr |
| 28:30:00 उत्तर | अक्षांश | 28:30:00 उत्तर |
| 77:49:00 पूर्व | रेखांश | 77:49:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:18:44 | स्थानिक संस्कार | -00:18:44 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:37:05 | सूर्योदय | 05:32:38 |
| 19:12:56 | सूर्यास्त | 19:16:53 |
| 23:48:37 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:52:27 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि 6वर्ष 11मा 2दि | 08:38:26 | तुला | लग्न | धनु | 00:57:06 | मंगल 3वर्ष 6मा 11दि |
| केतु | 09:45:31 | कर्क | सूर्य | कर्क | 02:02:00 | गुरु |
| 28/06/2020 | 11:48:30 | वृश्चि | चंद्र | वृष | 29:56:21 | 29/01/2023 |
| 29/06/2027 | 06:32:23 | मिथु | मंगल व | वृश्चि | 21:14:58 | 29/01/2039 |
| केतु 24/11/2020 | 25:18:33 | कर्क | बुध | मिथु | 13:43:05 | गुरु 18/03/2025 |
| शुक्र 24/01/2022 | 16:18:10 | धनु व | गुरु | मिथु | 07:20:06 | शनि 29/09/2027 |
| सूर्य 01/06/2022 | 27:04:46 | वृष | शुक्र | वृष | 20:13:18 | बुध 04/01/2030 |
| चन्द्र 31/12/2022 | 13:32:37 | मीन व | शनि | वृष | 17:01:22 | केतु 11/12/2030 |
| मंगल 29/05/2023 | 16:43:23 | कन्या व | राहु | मिथु | 12:26:44 | शुक्र 11/08/2033 |
| राहु 16/06/2024 | 16:43:23 | मीन व | केतु | धनु | 12:26:44 | सूर्य 30/05/2034 |
| गुरु 23/05/2025 | 08:45:20 | मक व | हर्ष व | कुंभ | 00:02:53 | चन्द्र 29/09/2035 |
| शनि 02/07/2026 | 02:21:03 | मक व | नेप व | मक | 13:49:49 | मंगल 04/09/2036 |
| बुध 29/06/2027 | 06:35:14 | वृश्चि व | प्लूटो व | वृश्चि | 19:00:04 | राहु 29/01/2039 |

**लग्न-चलित**

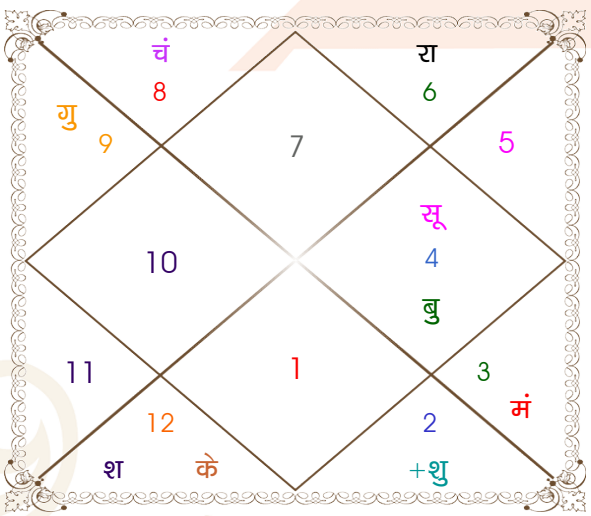


**लग्न-चलित**

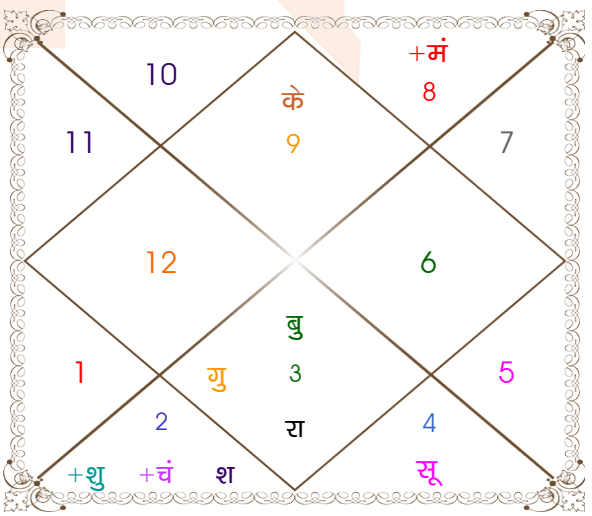

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | विप्र | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | कीटक | चतुष्पाद | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | क्षेम | वध | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मृग | सर्प | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | शुक्र | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | देव | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | वृश्चिक | वृष | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | मध्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 21.50 | | |

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Priya का नक्षत्र मृगशिरा है।

डंदपी का वर्ग सर्प है तथा Priya का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डंदपी और Priya का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

डंदपी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Priya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।**
**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Priya कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Priya कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।**

**तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डंदपेी कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डंदपेी कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डंदपेी तथा Priya में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।